अर्द्धवार्षिक परीक्षा सत्र – 2020 – 2021

विषय – हिन्दी

कक्षा – 11वीं

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

प्रश्न 1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो–

मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है, तो अकेला नहीं रह सकता। उसे अपनी रक्षा के लिए समाज का संगठन करना ही पड़ता है। यों तो और भी कई प्राणी है, जो अपना एक दल बनाकर रहा करते हैं, परन्तु उन प्राणियों के दल और मनुष्यों के समाज मं यह भेद हैं कि मनुष्यों ने अपनी बुद्धि द्वारा अपने सामाजिक जीवन का निरंतर विकास ही किया है। देश, काल और अवस्था के अनुकूल उन्होंने अपने समाज में यथेष्ट परिवर्तन किए हैं और ऐसे परिवर्तन होते भी जा रहे हैं। इसी से मनुष्य रामाज उन्नतिशील हैऔर अन्य प्राणियों का दल सैकड़ों वर्षों बाद भी अपनी स्थिति मे कोई विशेष उन्नति या परिवर्तन नहीं कर सका। अपनी उन्नति के लिए एक साथ मिलकर काम करनपे की प्रवृत्ति से प्रेरित होकर जो दल बनाया जाता है उसी को हम समाज कहते हैं।

प्रश्न 1 मनुष्य की सहज प्रवृति कैसी है ?

2 अन्य प्राणियों से मनुष्य किस तरह भिन्न है ?

3 मनुष्य समाज को उननतिशील क्यों माना जाता है ?

4 समाज किसे कहते हैं ?

5 मनुष्येत्तर प्राणियों की सैकड़ों हजारों वर्षों बाद भी कैसी स्थिति है ?

6 उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं,
रह भरोसे भाग के दुःख भोग पछताते नहीं,
काम कितना ही कठिन हो किन्तु उकसाते नहीं,
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं।
हो गए एक आन में उसके बुरे दिन भी भले,
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले–फलें
चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देते बना
काम पड़ने परकरे जो शेर का भी सामना।

जो कि हँस-हँस के चबा लेते है लोहे का चना,
है कठिन कुछ भी नहीं जिनके है जी में यह ठना
जो कभी अपने समय को यों बिताते है नही
काम करने की जगह बातें बनाते है नहीं।
आज-कल करते हुए जो दिन बिताते है नही
यत्न करने से कभी जो जी चुराते है नहीं।
बात है वह कौन जो उनके लिए होती नहीं,
वे नमूना आप बन जाते हैं और के लिए।

प्रश्न 1 बाधाओं आदि को देखकर कौन नहीं घबराता है ?

2 भाग्य और कठिन काम के प्रति कर्मवीर की क्या स्थिति रहती है ?

3 सर्वत्र और सब काल में कौन फलता-फूलता है ?

4 कौन अपने समय को व्यर्थ व्यतीत नही करता है ?

5 असंभव को भी संभव कर, कौन औरों के लिए आदर्श बन जाते हैं ?

6 उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए-

1 स्वच्छता अभियान मे छात्रों की भूमिका 2 पर्यावरण

3 अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

4 विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

प्रश्न 4 शाला शुल्क मुक्ति के लिए अपने प्राचार्य को आर्थिक कारणों का उल्लेख करते हुए आवेदन पत्र लिखिए। **अथवा**
अपनी अंकसूची के खो जाने पर सचिव शिक्षा मंडल रायपुर को डुप्लीकेट अंकसूची हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 5 निम्नलिखित अतिलघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1 जनसंचार के दो प्रमुख माध्यमों के नाम लिखिए।

2 संपादन के प्रमुख सिद्धांतों को लिखिए।

3 अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले दो दैनिक समाचार पत्रों के नाम लिखो।

4 भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला ?

5 'नमक का दरोगा' रचना किस विधा का प्रतिनिधित्व करती है ?

प्रश्न 6 मानव शरीर का निर्माण किन पंच तत्वों से हुआ है ?

प्रश्न 7 पिता कवि को 'सोने पर सुहागा' क्यों कहते हैं ?

प्रश्न 8 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िये और प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
जब गंभीरतम अर्द्ध- निशा में जग को ढँक लेता है।
अंतरिक्ष की छत पर तारों को छिटका देता है।

सस्मित–वदन जगत का स्वामी मृदु गति से आता है।
तट पर खड़ा गगन–गंगा के मधुर गीत गाता है।

प्रश्न 1 रात्रिकालिन प्राकृतिक सौंदर्य को अपने शब्दो में लिखिए।

2 जगत का स्वामी कौन है ? वह कैसे आता है ?

3 उपरोक्त काव्यांश किस काव्य से उद्घृत है? इसके रचनाकार कौन हैं?

प्रश्न 9 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो

यहाँ की प्रजा ने आपकी जिद्द का फल यहीं देख लिया। उसने देख लिया कि आपकी जिस जिद्द ने इस देश की प्रजा को पीड़ित किया है, आपको भी उसने कम पीड़ा न दी, यहाँ तक कि आप स्वयं उसका शिकर हुए। यहाँ की प्रजा वह प्रजा है, जो अपने दुख और कष्टों की अपेक्षा परिणाम का अधिक ध्यान रखती है। वह जानती है कि संसार में सब चीजों का अंत है। दुख का समय भी एक दिन निकल जाएगा, इसी से सब दुखों को झेलकर, पराधीनता सहकर भी वह जीती है। माई लॉर्ड! इस कृतज्ञता की भूमि की महिमा अपाने कुछ न समझी और न यहाँ की दीन प्रजा की श्रद्धा–भक्ति अपने साथ जे जा सके, इसका बड़ा दुख है।

प्रश्न 1 लॉर्ड कर्जन की जिद्द से भारतीय जनता ने क्या पीडा सही ?

2 भारतीय प्रजा की क्या विशेषता थी ?

3 लेखक को किस बात का दुःख था ?

प्रश्न 10 अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

प्रश्न 11 निम्नलिखित काव्यांश का काव्य सौंदर्य (विशेषताएँ) लिखिए –

लहराते वे खेत दृगों में, हुआ बेदखल वह अब जिनसे,
हँसती थी उसके जीवन की हरियाली जिनके तृन–तृन से!
आँखों ही में घूमा करता वह उसकी आँखों का तारा,
कारकुनों की लाठी से जो गया जवानी ही में मारा!

प्रश्न 12 "तेरा निजाम है सिल दे जुबान शायर की,
ये एहतियात जरूरी है इस बहर के लिए।"
उपर्युक्त काव्यांश का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13 स्पीति किस–किस राज्य के अधीन रहा ?

प्रश्न 14 चेजारो के साथ गाँव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फर्क आया है?पाठ के आधार पर बताइये।

प्रश्न 15 सात रवटी के क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 16 चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिये हैं। अकसर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें।